3 दिसंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

मुखबिरी के शक में दो पक्षों की भिड़ंत के बीच एसिड अटैक चार युवक झुलसे, क्षेत्र में दहशत, जांच में जुटी पुलिस

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

लोकसभा में दूसरे दिन भी एसआईआर को लेकर सरकार और विपक्ष में रहा टकराव

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार दूसरे दिन भी एसआईआर समेत कुछ मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस कारण दूसरे दिन भी सदन की कार्यवाही पूरी तरह से नहीं चल सकी। सुबह 11 बजे शुरू हुई सदन की कार्यवाही विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से पहले 11:16 पर 12 बजे तक के लिए स्थगित की गई, फिर 12 बजे शुरू हुई कार्यवाही 12:09 बजे दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद दो बजे शुरू हुई सदन की कार्यवाही पांच मिनट बाद ही तीन दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में कहा कि कल भी हमने अनुरोध किया था, आज फिर कर रहा हूं। देश में कई मुद्दे हैं, किसी मुद्दे को हम छोटा नहीं

मानते। संसद नियम से चलती है। एक मुद्दे को लेकर आप बाकी मुद्दों को दबा नहीं सकते। इस सदन में कई पार्टियां हैं। हर पार्टी की बात सुननी चाहिए। दो-चार पार्टी मिलकर संसद को ठप करेंगी। यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र है, चुनाव में हार-जीत होती है। मैं भी चुनाव हारा हूं, अटलजी भी चुनाव हारे थे। लेकिन हार की बौखलाहट में आप संसद में गुस्सा निकालेंगे, यह ठीक नहीं है। रीजीजू ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि ऐसी हरकतें करने के कारण आप (विपक्ष) जनता का विश्वास खोते जा रहे हैं। मैं आश्वासन देता हूं कि चाहे चुनाव सुधार हो, अन्य कोई भी मुद्दा हो, हम पीछे नहीं हटेंगे। देश के किसी भी मुद्दे पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। मैंने कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं को बुलाया है। हम बातचीत करके रास्ता निकालेंगे। हम सबकी बात सुनेंगे, आपको सरकार की बात सुननी चाहिए। आप चर्चा के लिए तैयार हो जाइए।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने जाहिर की चिंता

इससे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों के आचरण पर चिंता जताते हुए यह कहा कि जिस तरह का आपका आचरण मैं संसद के अंदर देख रहा हूं और कई सदस्य सदन के बाहर संसद के लिए जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। वह संसद और देश के हित में नहीं है। अगर उनके राजनीतिक दलों की यही परंपरा है तो देश देख रहा है। बिरला ने शोर-शराबा कर रहे सदस्यों से कहा कि संसद के अंदर विरोध और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन मयार्दा और शालीनता बनाए रखें। इस बीच कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही चल सकी। लोकसभा में मंगलवार को भी एसआईआर के मुद्दों पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्षी दलों से कहा कि हार की बौखलाहट में संसद में गुस्सा निकालना ठीक नहीं है।संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कुल 15 बैठकें होनी हैं. इस दौरान सरकार का फोकस 14 विधेयक पास कराने पर है. सरकार दिवाला कानून, बीमा कानून, सिक्योरिटीज मार्केट, कॉर्पोरेट कानून, राष्ट्रीय राजमार्ग, उच्च शिक्षा आयोग, एटॉमिक एनर्जी, जीएसटी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सेस बिल संसद में पेश करेगी।

डॉ. प्रेम कुमार बने विधानसभा अध्यक्ष, 9 बार लगातार जीते

एजेंसी। पटना

भारतीय जनता पार्टी के सबसे अनुभवी विधायकों की श्रेणी में रहे डॉ. प्रेम कुमार को बिहार विधानसभा का अध्यक्ष बनाया गया है। गया टाउन, यानी गयाजी शहरी क्षेत्र के मतदाताओं के प्रतिनिधि चुनकर 9वीं बार भी विधानसभा पहुंचे हैं। 202 सीटों की बड़ी जीत के साथ ही उनका नाम चल निकला था। इंतजार हो रहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लें और मंत्रिपरिषद् के बाकी सदस्यों का भी शपथ ग्रहण हो जाए। यह हुआ और तय हो गया कि डॉ. प्रेम कुमार के सामने इस कुर्सी के लिए किसी की ओर से कोई विकल्प नहीं है। डॉ. प्रेम कुमार ही होंगे। सोमवार को वही हुआ। नामांकन भरा और इकलौता। 35 विधायकों वाला महागठबंधन सामने किसी को इस पद

के लिए खड़ा करने तक की हिम्मत नहीं जुटा सका। यानी, निर्विरोध चयन की घोषणा ही बाकी है। वह लगातार 35 साल से चुनाव जीत रहे हैं। कांग्रेस की सीट रही गया टाउन में डॉ. प्रेम कुमार ने 1990 में पहली बार ताल ठोकी तो शुरू से अब तक कभी नहीं हारे।1980-85 तक बाकी जगहों की तरह गया टाउन विधानसभा सीट भी कांग्रेस के वर्चस्व वाली रही थी। 1990 में इस वर्चस्व को डॉ. प्रेम कुमार ने तोड़ा। यह वह दौर था, जब भारतीय जनता पार्टी बिहार में अस्तिस्त बनाने की कोशिश कर रही थी। तब गया टाउन क्षेत्र एक बार भाजपा का हुआ तो डॉ. प्रेम कुमार और उनकी पार्टी एक-दूसरे का पर्याय ही बन गई। कभी न तो पार्टी ने वहां प्रत्याशी बदला और न जनता ने अपना विधायक।

बीजेपी ने किया पलटवार विपक्ष सदन को करता है बाधित

जासूसी का ऐप है संचार साथी : प्रियंका गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन्स द्वारा मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करने का निर्देश देने के बाद से ही देश की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इसे जासूसी करने वाला एप बताया है, वहीं सरकार इसे साइबर सिक्योरिटी के लिए जरूरी बताकर पेश कर रही है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा है कि यह एक स्नूपिंग एप है। फ्रॉड की रिपोर्ट करने और यह देखना कि भारत का हर नागरिक अपने फोन पर क्या कर रहा है, दोनों के बीच एक बहुत पतली लाइन है। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा है कि हर रोज नए-नए मुद्दे ढूंढकर संसद की कार्यवाही को बाधित नहीं करना चाहिए। दरअसल डीओटी ने मैन्युफैक्चरर्स और इंपोर्टर्स को यह निर्देश दिया है कि सभी नए मोबाइल फोन में संचार साथी एप प्री-इंस्टॉल

हो और उसे डिसेबल न किया जा सके। वहीं पुराने मोबाइल में इस एप को सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए इंस्टॉल करने को कहा गया है। इसके लिए कंपनियों को 90 दिन की डेडलाइन दी गई है। जानकारी सामने आते ही विपक्ष ने सरकार को निशाने पर ले लिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह एक स्नूपिंग ऐप है। नागरिकों को प्राइवेसी का अधिकार है। हर किसी को परिवार, दोस्तों को मैसेज भेजने की प्राइवेसी का अधिकार होना चाहिए, बिना सरकार की नजर के। वे इस देश को हर तरह से तानाशाही में बदल रहे हैं। पार्लियामेंट इसलिए काम नहीं कर रही है क्योंकि सरकार किसी भी चीज पर बात करने से मना कर रही है। विपक्ष पर इल्जाम लगाना बहुत आसान है। वे किसी भी चीज पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। एक हेल्दी डेमोक्रेसी चर्चा की मांग करती है। फ्रॉड की रिपोर्ट करने और यह देखना कि भारत का हर नागरिक अपने फोन पर क्या कर रहा है, के बीच एक बहुत पतली लाइन है। इस तरह से काम नहीं करना चाहिए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी डीओटी के निर्देश की आलोचना की। वहीं विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, श्उन्हें मुद्दे ढूंढ-ढूंढकर लाने की जरूरत नहीं है। कामों की एक लिस्ट तैयार की गई है, और उसमें कई मुद्दे हैं। हम विपक्ष के उठाए गए मुद्दों पर भी बहस करेंगे और सोचेंगे कि हमें आगे कैसे बढ़ना है। उन्हें नए मुद्दे ढूंढने और संसद को परेशान करने की जरूरत नहीं है। रिजिजू ने कहा कि सभी मुद्दे अपनी जगह पर महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अगर आप इन मुद्दों का इस्तेमाल संसद को रोकने के लिए हथियार के तौर पर करते हैं, तो यह सही नहीं है। हम विपक्ष के नेताओं से बात करेंगे। मैं पहले से ही उनके संपर्क में हूं। हम उनके मुद्दों को कम नहीं आंक रहे हैं, लेकिन देश में सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई मुद्दे हैं। वहीं देवरिया से भाजपा के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने भी क्वज के कदम का बचाव किया। उन्होंने कहा, श्यह एक बहुत जरूरी कदम है। मैं आईआईटी से हूँ, इसलिए मैं समझता हूँ कि किस तरह के साइबर अटैक हो रहे हैं। यह कम्युनिकेशन एप लोगों की सिक्योरिटी की भावना को बढ़ाएगा। हमारा डेटा बाहर नहीं जाएगा और नागरिकों की सुरक्षा का हर पहलू जो पक्का किया जाना चाहिए, उसे डिजिटली सुरक्षित किया जाएगा।

मणिपुर के कांगपोकपी में 54 एक-ड़ पर लगी अफीम नष्ट की गई

एजेंसी। इम्फाल

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने 54 एकड़ में लगी अफीम को नष्ट कर दिया। पुलिस ने एक बयान जारी कर मंगलवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि अफीम की खेती को नष्ट करने का यह अभियान सोमवार को किया गया।पुलिस ने बताया कि कांगपोकपी जिले के खोइरीपोक और सेहजंग गांवों के बीच 18 एकड़ में लगी अफीम को नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पांच झोपड़ियां, खेती में इस्तेमाल होने वाले उर्वरक, रसायन और खरपतवार नाशक से भरा एक बैग भी नष्ट कर दिया गया। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों और वन विभाग के कर्मियों ने सी लामजांग के पहाड़ी क्षेत्रों समेत जिले के समीपवर्ती क्षेत्रों में 36 एकड़ पर अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि कुल 11 झोपड़ियां, 14 बोरी उर्वरक और नौ बोरी नमक को भी नष्ट किया गया। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने हाल ही में बताया था कि सुरक्षा बलों और वन विभाग ने पिछले सप्ताह कांगपोकपी में 144 एकड़ में अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई खोइरिपोक, सेहजांग और सी लामजांग जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में की गई। खेती के साथ-साथ 5 झोपड़ियां, खाद, हर्बिसाइड्स और रसायन भी नष्ट किए गए।

किसी सरकारी बैंक के निजीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं : राहुल गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकारी बैंक के निजीकरण के प्रस्ताव पर भी सवाल पूछे. ये सवाल राहुल गांधी ने पूछा. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के इस सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने कहा, देश के किसी भी सरकारी क्षेत्र के बैंक के निजीकरण को लेकर अभी कोई प्रस्ताव नहीं है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चैधरी ने कहा कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का निजीकरण के बाद प्रदर्शन अच्छा हुआ है. यह कंपनियां निजीकृत होने के बाद ज्यादा प्रॉफिट कमा रही है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने कहा, आईडीबीआई

बैंक के निजीकरण को लेकर आर्थिक कार्य संबंधी कैबिनेट कमेटी 2021 में फैसला ले चुकी है। उसके बाद से गृह मंत्रालय और आरबीआई की जरूरी जांच के बाद अब सरकार बोली लगाने वाली कंपनियों की शार्ट लिस्टिंग कर रही है। सरकार ने बताया कि बैंक का परिचालन लाभ साल दर साल बढ़ रहा है लेकिन बैंक पर बकाया पूंजी करीब 4.11 लाख करोड़ है. साल 2016 के मुकाबले 2025 में बैंक के परिचालन लाभ में दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2016 में लाभ 5370 करोड़ था जो अब बढ़कर 11079 करोड़ हो गया है। साल 2021 से आईडीबीआई बैंक के चल रही निजीकरण पर राहुल गांधी ने पूछा कि क्या कहीं सरकार बैंक के विनिवेश को आगे बढ़ाने की बजाय किसी अन्य सरकारी बैंक के साथ उसके विलय की कोई योजना तो नहीं है इसपर पंकज चैधरी ने कहा, अभी सरकार की बैंक के विनिवेश को रोकने की कोई योजना नहीं है।

शासन का विचार सत्ता से सेवा और अधिकार की ओर बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर हुआ सेवा तीर्थ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के नए परिसर को अब सेवा तीर्थ के नाम से जाना जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बन रहे परिसर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में हैं। इसे पहले एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के रूप में जाना जाता था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा, निमार्णाधीन परिसर में मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और इंडिया हाउस के

कार्यालय भी शामिल होंगे, जो आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थल होगा। अधिकारियों ने बताया कि सेवा तीर्थ एक ऐसा कार्यस्थल होगा, जिसे सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जहां राष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूप लेंगी। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक संस्थान एक शांत लेकिन गहन बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक शासन का विचार सत्ता से सेवा और अधिकार से उत्तरदायित्व की ओर बढ़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। राज्यों के राज्यपालों के आधिकारिक आवास राजभवन का भी नाम भी बदलकर लोक भवन रखा जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन के क्षेत्रों को कर्तव्य और पारदर्शिता को प्रतिबिंबित करने के लिए नया रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि हर नाम, हर इमारत और हर प्रतीक अब एक सरल विचार की ओर इशारा करते हैं सरकार सेवा के लिए है। सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक वृक्षों से घिरे मार्ग के पूर्ववर्ती नाम राजपथ को बदलकर कर्त्तव्य पथ किया था।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पर बक्सर में होगा सेमिनार, राष्ट्रीय चेतना के भाव पर होगा मंथन

- भारत बोध और राष्ट्र प्रथम की भावना पर केंद्रित होगा कार्यक्रम, वीकेएसयू के कुलपति को भी मिलेगा

केटी न्यूज/बक्सर

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बक्सर में एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें भारत बोध, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और वंदे मातरम् के साहित्यिक व ऐतिहासिक महत्व पर चिंतन-मनन किया जाएगा। यह जानकारी बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव निवासी व दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा संघ के इतिहास संकलन योजना दिल्ली प्रांत के उपाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दुबे ने दी। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को अभिव्यक्त करने वाला एक मंत्र है, एक संकल्प है तथा राष्ट्रीय गौरव का शाश्वत प्रतीक है। इसमें देश की संस्कृति, प्रकृति, अस्मिता और राष्ट्रभाव की अद्भुत छवि समाहित है। प्रो. दुबे के अनुसार, वंदे मातरम् में भारत माता की भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति का जो अलौकिक भाव मिलता है, वह राष्ट्र के निर्माण और समाज के मंथन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 1937 में वंदे मातरम् की मूल पंक्तियों को हटाने के दूरगामी दुष्परिणाम सामने आए, जिसके परिणामस्वरूप 1947 में देश का विभाजन हुआ। उनके अनुसार, यह विषय केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक स्वाभिमान से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसलिए इसके साहित्यिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पक्षों पर गंभीर विमर्श का समय आ गया है। प्रो. दुबे ने बताया कि आज दिल्ली स्थित केशवकुंज झंडेवालान, केंद्रीय कार्यालय में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर विशेष प्रबोधन दिया गया और भारत बोध के इस विषय को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने पर बल दिया गया। इसी क्रम में बक्सर में भी वंदे मातरम् पर आधारित एक बड़े कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। इसमें प्रदेश और देश के विद्वान, शोधकर्ता, सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्व तथा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बक्सर की ऐतिहासिक धरती सदैव राष्ट्र चेतना का केंद्र रही है। ऐसी पावन भूमि पर वंदे मातरम् के 150 वर्ष के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित होना जिले के लिए गौरव की बात होगी। कार्यक्रम में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति को भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि इस विषय पर शैक्षणिक दृष्टि से भी विस्तृत और प्रभावी चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्र प्रथम की भावना का प्रतीक है और देश की सांस्कृतिक एकता को मजबूती देने वाला सूत्र है। इसलिए इस अवसर पर केवल समारोह नहीं, बल्कि चिंतन, मनन और विमर्श आवश्यक है, जिससे नई पीढ़ी भी इस गीत के माध्यम से राष्ट्र के प्रति जागरूकता और गर्व के भाव को आत्मसात कर सके।

नगर थाना क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ले की है घटना

मुखबिरी के शक में दो पक्षों की भिड़ंत के बीच एसिड अटैक चार युवक झुलसे, क्षेत्र में दहशत, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ले में मंगलवार की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब मुखबिरी के शक में दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और किसी ने अचानक एसिड फेंककर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों पक्षों के चार युवक, बिट्टू रजक, माही वर्मा, आदित्य सिंह और राज चौहान गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन में सतीश वर्मा की सोने-चांदी की दुकान है। सोमवार को इसी दुकान के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की थी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद कुछ आपराधिक तत्वों को संदेह हुआ कि दुकानदार ने ही मुखबिरी की है। इसी शक ने मंगलवार को पूरे इलाके को अशांत कर दिया।

सुबह दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक और गाली-गलौज हुई, जिसके बाद दुकानदार ने पुलिस को इसकी सूचना दी। बताया जाता है कि इसी बात से नाराज आरोपित दोपहर में फिर दुकान पर पहुंच गए और दुकानदार के साथ मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि अचानक भीड़ में मौजूद किसी व्यक्ति ने एसिड फेंक दिया। एसिड के चपेट में आते ही दोनों पक्षों के युवक चीखने लगे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और पूरा इलाका दहशत के माहौल में डूब गया।

सूचना मिलते ही टाउन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से भी विवाद चल रहा था। किसने एसिड फेंका, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस पूरे मामले की तकनीकी और मानवीय दोनों स्तरों पर पड़ताल कर रही है। मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

थानाध्यक्ष ने कहा कि दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद सिविल लाइन मोहल्ले में दहशत का माहौल है और पुलिस ने एहतियातन गश्त बढ़ा दी है।

90 लीटर देसी शराब बरामद दो गिरफ्तार, दो तस्कर फरार

- 90 लीटर देसी शराब बरामद, दो गिरफ्तार; दो तस्कर फरार
- गश्ती के दौरान मुफस्सिल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना पुलिस ने सोमवार की देर रात नियमित गश्ती के दौरान शराब तस्करों के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता दर्ज की। थाना क्षेत्र के मिश्रवलिया गांव के पास पुलिस ने संदेह के आधार पर दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली, जहां से दो सफेद बोरियों में छिपाकर लाई जा रही बड़ी मात्रा में देसी शराब बरामद की गई। जांच में बोरियों के भीतर 10 पेटी ब्लू लाइम 200 एमएल टेट्रा पैक मिले, जिनकी कुल संख्या 450 और मात्रा लगभग 90 लीटर बताई गई है। पुलिस ने मौके से मिश्रवलिया निवासी अवधेश कुमार सिंह और सविंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे उत्तर प्रदेश से शराब लेकर बक्सर की ओर आ रहे थे। इस तस्करी गिरोह के दो अन्य सदस्य, छांगुर और चंदेश राम उर्फ नखडू, अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। उनकी तलाश में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और शराब की बड़ी खेप बरामद कर ली। बरामद माल को जब्त कर लिया गया है और दोनों गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में सक्रिय शराब तस्करी नेटवर्क को लेकर फिर से चर्चा तेज कर दी है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

सिलाई-कटाई से ट्रेंड हो रहीं जीविका दीदियां आंगनबाड़ी बच्चों के ड्रेस की करेंगी सिलाई

- 100 जीविका दीदी को किया गया है प्रशिक्षित

केटी न्यूज/डुमरांव

जीविका दीदियों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार से जोड़ने के लिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी के तहत पिछले माह उन्हें सिलाई-कटाई का प्रशिक्षण दिया गया था। यह प्रशिक्षण 25 के ग्रुप बनाकर दिया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 100 जीविका दीदियों को प्रशिक्षित किया गया। फिर उन्हें रोजगार से जोड़ने की कवायद शुरू की जा रही है। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड कार्यलय के जीविका दीदी कार्यालय की डाक समन्वयक खुशबु कुमारी ने बताया की जो प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, उन्हें आंगनबाड़ी से जोड़ वहां पढ़ने के लिये आने वाले बच्चों का ड्रेस की सिलाई से जोड़ा जाएगा।

मालूम हो कि डुमरांव प्रखंड में कुल 230 आंगनबाड़ी चलता है। हर आंगनबाड़ी में 40 बच्चों नाम लिखा जाता है। उन बच्चों को आंगनबड़ी केन्द्र में ही भोजन दिया जाता है। फिर उनका एक ड्रेस कोड होता है, जिसे पहनकर आना होता है। उन बच्चों को ड्रेस भी मुहैया कराया जाता है। उसी ड्रेस की सिलाई अब प्रशिक्षित जीविका दीदी करेंगी। इसके लिये सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस तरह की पहल से जीविका दीदियों में हर्ष व्याप्त है। कई से जब बात की गई तो उन्होंने कहा की हमलोग जब इसका प्रशिक्षण ले रही थी, तो रोजगार मिलने की आश जगी थी, उम्मीद है अब पूरी होगी।

चौसा में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त अब अवैध कब्जों पर चलेगा बुलडोजर

केटी न्यूज/चौसा

राज्य भर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान की गूंज अब बक्सर जिले के चौसा तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ते अवैध कब्जे, फुटपाथों पर फैलती दुकानें और मुख्य मार्गों पर बाधित होता आवागमन, इन सबने प्रशासन को अब कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। चौसा में बुलडोजर कार्रवाई की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अधिकारियों ने साफ संकेत दे दिया है कि स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा कार्रवाई तय है। पिछले कुछ महीनों में चौसा के बाजार और मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण ने इस कदर पैर पसार लिया है कि वाहन चालकों को हर दिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे बढ़ते अनधिकृत निमार्णों के कारण जाम स्थायी समस्या बन चुका है। कई बार तो स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि दुर्घटना भी टलते-टलते रह जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन अगर सख्ती दिखाए तो चौसा की सड़कें पहले जैसी चौड़ी और सुगम हो जाएंगी। वहीं दूसरी ओर, दुकानदारों और कब्जाधारियों के बीच प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर बेचैनी बढ़ती जा रही है। लोग अपने-अपने तरीके से संभावित कार्रवाई की तैयारी में जुट गए हैं। सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अविनाश कुमार ने बताया कि अभियान को लेकर लगातार बैठकें हो रही हैं और बहुत जल्द एक तय तिथि की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण की स्थिति अब बेहद गंभीर हो चुकी है, इसलिए देर किए बिना कार्रवाई अनिवार्य हो गई है। पहले चरण में चौसा-कोचस मार्ग स्थित तीन महत्वपूर्ण स्थानों, नगर पंचायत का दुर्गा मंदिर परिसर, यादव मोड़, और अखौरीपुर गोला को अतिक्रमणमुक्त करने की योजना बनाई गई है। संबंधित लोगों को पहले ही नोटिस और पूर्व सूचना दी जाएगी ताकि वे स्वयं अतिक्रमण हटाने का मौका पा सकें। लेकिन चेतावनी साफ है, यदि कोई नहीं मानता, तो प्रशासन बुलडोजर चलाने से पीछे नहीं हटेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। चौसा अब निर्णायक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। प्रशासन का यह सख्त रुख न केवल ट्रैफिक समस्या को कम करेगा बल्कि क्षेत्र के सौंदर्य और व्यवस्था को भी नया स्वरूप देगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बक्सर में शुरू हुआ दो दिवसीय युवा उत्सव व विज्ञान मेला, 32 मॉडलों ने बटोरी सराहना

- जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन, 13 सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में होंगे प्रतिभागी शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बक्सर में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन, बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 एवं विज्ञान मेला का दो दिवसीय आयोजन 02 एवं 03 दिसंबर 2025 को शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी बक्सर, डॉ. विद्यानंद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. सिंह ने कहा कि युवा किसी भी समाज और राज्य की प्रगति की धुरी होते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विज्ञान, तकनीक और संस्कृति युवाओं में नवाचार तथा सामाजिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। डीएम ने प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी में शोध प्रवृत्ति और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं। इस अवसर पर जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिनमें जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान बक्सर तथा राज प्लस टू उच्च विद्यालय डुमरांव के प्रधानाचार्य अनुराग मिश्र शामिल थे। सभी अतिथियों ने छात्रों द्वारा प्रदर्शित विज्ञान मॉडल, नवाचार और रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा कि युवा उत्सव और विज्ञान मेला विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दो दिवसीय कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राम नरेश राय के नेतृत्व में जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान आधुनिक समाज की प्रगति का आधार है और विज्ञान मेला छात्रों में अनुसंधान क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या समाधान की क्षमता को मजबूत करता है। मेला में कुल 32 प्रतिभागियों के मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा प्रबंधन, रोबोटिक्स, कृषि नवाचार और सामाजिक-तकनीकी समस्याओं के समाधान जैसे विषय प्रमुख रहे।

03 दिसंबर को युवा उत्सव के अंतर्गत समूह नृत्य, लोकगीत, कविता, नाटक, वादन, चित्रकला और फोटोग्राफी सहित कुल 13 सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिलेभर से आए प्रतिभागी इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कचरा प्रबंधन के नाम पर करोड़ों की बंदरबांट, शहरवासियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ : रवि उज्ज्वल

- डुमरांव में गंदगी का अंबार, वार्ड 16 सहित पूरे नगर में फैल रहा संक्रमण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में कचरा प्रबंधन को लेकर उठ रहे सवाल अब और तेज हो गए हैं। जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने मंगलवार को नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कचरा डंपिंग के नाम पर करोड़ों की लूट चल रही है, जबकि शहरवासियों को बदले में सिर्फ गंदगी और बीमारी मिल रही है। महाकाल रोड वार्ड 16 में अवैध तरीके से फेंके जा रहे कचरे की प्रत्यक्ष जांच के बाद

उन्होंने बताया कि हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं और नगर परिषद सुधार की जगह लीपापोती में जुटा है। रवि उज्ज्वल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महाकाल रोड वार्ड 16 में कचरे का ढेर न सिर्फ फेंका जा रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में बदबू, मच्छर और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड 16 ही क्यों, डुमरांव के सभी वार्डों की स्थिति ऐसी है मानो नगर परिषद ने कचरा साफ करने की जिम्मेदारी छोड़ दी हो। नगर परिषद के अधिकारी सिर्फ कागजों पर सफाई दिखाकर वास्तविकता को छुपा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कचरा डंपिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की बंदरबांट हो रही है। कागज पर ट्रक, मजदूर, मशीनें सब दिखते हैं लेकिन जमीन पर सिर्फ कचरा ही कचरा है। उन्होंने कहा कि शहर का कचरा शहर के ही एक कोने से उठाकर दूसरे कोने में डाल दिया जाता है। इससे शहरवासियों को ठगा जा रहा है और कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया सिर्फ दिखावा बनकर रह गई है। जदयू नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि नगर परिषद की यह लापरवाही और भ्रष्टाचार अब ज्यादा दिनों तक नहीं छिपने वाला। आने वाले समय में बहुत कुछ उजागर होगा। रवि ने कहा कि जिन लोगों ने जनता के स्वास्थ्य और शहर की स्वच्छता के साथ खिलवाड़ किया है, उनकी परतें खुलने वाली हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डुमरांव में गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया, त्वचा रोग और कई अन्य संक्रमण तेजी से फैल रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन नगर परिषद की उदासीनता जस की तस बनी हुई है। रवि उज्ज्वल के निरीक्षण के दौरान जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, बीरेन्द्र कुशवाहा और दीपक कुमार भी मौजूद थे। सभी नेताओं ने एक सुर में कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मिलीभगत ने पूरे शहर को कचरा ढेर में बदल दिया है। नेताओं ने मांग की है कि नगर परिषद तुरंत कचरा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करे, कचरा उठाव में पारदर्शिता लाए और शहर को स्वच्छ रखने के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही चेतावनी दी कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। डुमरांव के लोगों को लंबे समय से कचरा समस्या से जूझना पड़ रहा है। लेकिन अब राजनीतिक नेतृत्व के खुलकर सामने आने से नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग गया है और जनता एक निर्णायक कार्रवाई की उम्मीद जता रही है।

एक नजर

फ्लिपकार्ट में डिलेवरी कर्मी के लिए रोजगार शिविर 4 दिसंबर को, 20 पदों पर होगी नियुक्ति

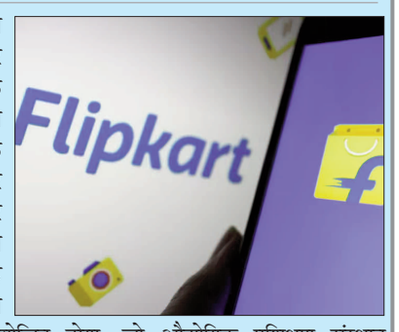

बक्सर। जिला जन संपर्क कार्यालय, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय, बक्सर के तत्वावधान में 4 दिसंबर को एकदिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, बक्सर में आयोजित होगा, जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बक्सर के परिसर में स्थित है। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी प्रणव प्रतीक ने बताया कि इस रोजगार शिविर में प्रसिद्ध ई-कॉमर्स संस्था फ्लिपकार्ट प्राइवेट लिमिटेड भाग ले रही है। कंपनी द्वारा जिले के युवक-युवतियों को डिलेवरी कर्मी के पद पर चयनित किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। कुल 20 पदों पर नियुक्ति की जाएगी तथा अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 40 वर्ष के बीच तय है। संस्थान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इन पदों पर चयनित कर्मियों को प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक मानदेय प्रदान किया जाएगा। साथ ही कार्य निष्पादन के आधार पर प्रेरक राशि यानी प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। सभी चयनित अभ्यर्थियों का कार्य स्थल बक्सर ही रहेगा, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार का अवसर उपलब्ध होगा। श्री प्रतीक ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 4 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे के बीच संयुक्त श्रम भवन पहुंचकर रोजगार शिविर में भाग ले सकते हैं। आवेदकों के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, जीवन-वृत्त (बायोडाटा) तथा स्नातक के प्रमाण पत्र मौजूद होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया शिविर स्थल पर ही संपन्न की जाएगी। जिला नियोजनालय ने युवाओं से अपील की है कि वे रोजगार के इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं। इस शिविर के माध्यम से शिक्षित बेरोजगारों को स्थानीय स्तर पर ही सम्मानजनक नौकरी प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। रोजगार शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा। प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराना है।

पुराना भोजपुर गोलीबारी मामले में तीन नामजद व अज्ञात पर दर्ज हुआ एफआईआर

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में रविवार को आपसी विवाद में हुए गोलीबारी मामले में जख्मी युवक के बयान पर पुलिस ने तीन नामजद व अज्ञात युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगतार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल सभी आरोपित शीघ्र पकड़ लिए जाएंगे। उन्होने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी। दूसरी तरफ जख्मी युवक की हालत स्थिर बनी हुई है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि स्वजन आरा के किसी निजी अस्पताल में उसका इलाज करा रहे है, जहां कंधे में लगी गोली को आपरेशन कर निकाल दिया गया है। गौरतलब हो कि रविवार की रात करीब दो बजे आपसी विवाद में गांव के ही युवकों द्वारा योगेन्द्र यादव के 25 वर्षीय पुत्र शिवम को गोली मार दिया गया था। गोली उसके कंधे के पास लगी थी। जिसके बाद स्वजन उसे इलाज के लिए लेकर आरा चले गए थे। इसे मामले में सोमवार को ही पुलिस ने अस्पताल में उसका फर्द बयान ले एफआईआर दर्ज किया है।

डुमरांव नगर परिषद की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल, क्या अतिक्रमण हटाओ अभियान सिर्फ कमजोरों के लिए

किसी से मोहब्बत किसी से रूखाई, साबित हो रहा है डुमरांव नगर परिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान

- प्रधान सहायक के घर के बाहर बने अतिक्रमण पर ह्यचुप्पीह्ल, दूसरे पक्ष का चबूतरा तोड़कर प्रवेश बाधित, पीड़ित ने पुलिस व प्रशासन की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद में अतिक्रमण हटाने के नाम पर चल रही कार्रवाई पर पक्षपात और रसूखदारी के आरोपों ने पूरे शहर में नई बहस छेड़ दी है। मामला इतना गंभीर है कि अब नगर परिषद की कार्यशैली, कर्मचारियों की निष्पक्षता और पुलिस प्रशासन की भूमिका कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। छठिया पोखरा निवासी उमेश कुमार गुप्ता द्वारा लगाए गए आरोपों ने संकेत दिया है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान कहीं-ना-कहीं ह्यचुनिंदाह्ल लोगों तक ही सीमित रह गया है, जबकि असरदार लोगों को कार्रवाई से बाहर रखा जा रहा है।

उमेश कुमार गुप्ता के मुताबिक सोमवार शाम नगर परिषद की अतिक्रमण हटाओ टीम उनके घर के

सामने पहुंची और प्रवेश द्वार पर बने चबूतरे को अतिक्रमण बताते हुए तत्काल तोड़ दिया। इससे उनके घर में जाने का मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पीड़ित का आरोप है कि यह कार्रवाई एकतरफा और मनमानी थी, क्योंकि उनके घर के ठीक बगल में नगर परिषद के ही प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह के घर के बाहर बड़े पैमाने पर नाली पर चबूतरा बना है, जो चारपहिया वाहन तक ले जाने में उपयोग होता है। बावजूद इसके, टीम ने उस पर हाथ तक नहीं लगाया।

पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने टीम से भेदभाव का कारण पूछा और समान कार्रवाई की मांग की, तो नगर परिषद के कर्मी भड़क गए। उनके अनुसार नगर परिषद के पांच नामजद कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, धमकाया और दबाव बनाने का प्रयास किया। इसी आधार पर उन्होंने प्रधान सहायक समेत पांच कर्मियों के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। लेकिन शिकायत देने के बाद भी न नगर परिषद प्रशासन और न ही पुलिस की ओर से कोई प्रतिक्रिया या कार्रवाई सामने आई। इससे पीड़ित के आरोप और भी मजबूत होते दिख रहे हैं कि बड़े बाबू के रसूख के कारण मामले को दबाने की कोशिश चल रही है।

इधर स्थानीय लोगों ने भी खुलासा किया कि जिस विवादित स्थान पर सोमवार को कार्रवाई हुई थी, उसी जगह मंगलवार सुबह से फिर किरायेदार दुकानदारों ने चौकी लगाकर दुकानें सजा लीं। इससे साफ है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रभावशाली लोगों के लिए ह्यबेमानीह्ल और आम जनता पर दबाव बनाने का साधन बनकर रह गई है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद का रवैया ऐसा ही रहा तो अतिक्रमण हटाने का अभियान कभी सफल नहीं हो पाएगा। शहरवासियों का मानना है कि जब सरकारी कर्मचारी स्वयं नियमों के पालन में दोहरी नीति अपनाएं, तो आम जनता पर कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। इस विवाद ने नगर परिषद के वरीय अधिकारियों को भी असहज स्थिति में ला दिया है, क्योंकि अब पूरा शहर उनकी अगली पहल पर नजरें गड़ाए बैठा है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि निष्पक्ष जांच होगी और दोषी चाहे कोई भी हो, उस पर समान कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित उमेश गुप्ता ने साफ कहा कि यदि प्रभावशाली लोगों को यूं ही संरक्षण मिलता रहा, तो नगर परिषद की विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, वे न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे। यदि पुलिस से न्याय नहीं मिला तो वे अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

फिलहाल डुमरांव नगर परिषद पर लग रहे पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के आरोप उसकी कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं, क्या प्रशासनिक दबाव और रसूख के आगे आम नागरिक का अधिकार हमेशा इसी तरह दबता रहेगा, शहर इस सवाल का जवाब चाहता है।

बोले, ईओ जांच कर होगी कार्रवाई

इस गंभीर मसले पर जब ईओ राहुलधर दूबे से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने बताया कि अभी तक उन्हें मामले की जानकारी नहीं मिली है या किसी तरह की शिकायत उनके पास नहीं पहुंची है। मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है, मामले की जांच कराई जाएगी। दोष सिद्ध होने पर संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

खेल मैदान का समतलीकरण शुरू, शीघ्र ही क्रिकेट मैच का दिन होगा तय

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के राज हाईस्कूल का खेल मैदान में बिहार विधान सभा चुनाव को लेकर वाहनों को जब्त कर उसमें रखा गया था। वाहनों के आने-जाने के कारण फिल्ड गड्ढों में तब्दिल हो गया था, जिससे खेल हो पान असंभव था। इसको लेकर इसके आयोजक नागेन्द्र नाथ ओझा ने एसडीओ राकेश कुमार से शिकायत कर उसे सही कराने की बात कही थी। एसडीओ ने नप ईओ को खेल मैदान को समतल करने के लिये आदेशित किया था, लेकिन उसका अनुपालन नहीं किया गया। फिर इसकी शिकायत इसकी शिकायत बिहार सरकार के वरीय अधिकारियों से की गई। शिकायत उच्च अधिकारियों के पास करने के बाद राज हाईस्कूल खेल मैदान को समतलीकरण का कार्य मंगलवार को प्रारंभ कर दिया। इस कार्य को नेफड के द्वारा किया जा रहा है। नेफड के अधिकारियों ने ग्रेंडर मशीन भेजकर उसके समतलीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। मैदान का समतलीकरण शुरू होते ही नगर सहित क्षेत्र के लोगों को जिस मैच के शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उन्हें काफी खुशी हुई है। मालूम हो कि इस मैच में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्री स्तर के खिलाड़ी खेलने के लिये आते हैं। मालूम हो कि इस मैदान पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी खेल चुके हैं। टूनार्मेंट में भारत के लगभग सभी राज्यों की टीम खेलने आती हैं, ऐसे में लोगों को इसका शुरू होने का बेसब्री के साथ इंतजार रहता है। नेफड को फिल्ड तैयार करने की जिम्मेवारी मिलने से क्षेत्र के खिलाड़ियों में काफी खुशी है। इधर टूनार्मेंट के आयोजक मंडल के संयोजक नेरेन्द्र नाथ ओझा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जैसे ही फील्ड समतल हो जाएगा, तारीख की घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि इसमें कुछ समय लगेगा, कयोंकि देशभर के सभी टीमों को बुलाने लिये न्योता भेजा जाएगा, फिर उनकी स्वीकृति मिलने में भी समय लगता है। हालांकि सभी कार्य तेजी से होंगे, केवल मैदान का सही होने का इंतजार है।

एनएच 922 पर भीषण टक्कर, ऑटो पलटा, आधा दर्जन लोग जख्मी, तीन माह का मासूम भी घायल

- लोकेशन की गलती बनी हादसे की वजह, पुलिस ने दोनों वाहन किए जब्त

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

पटना-बक्सर नेशनल हाईवे (एनएच-922) पर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के चौकियां गांव के समीप मंगलवार दोपहर एक तेज रफ्तार ऑटो और कार की जोरदार टक्कर में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर होते ही ऑटो पलट गया और उसमें सवार महिलाएं व तीन माह का एक मासूम बच्चा सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। घायल सभी लोगों को पहले स्थानीय धरहरा स्थित एक निजी क्लिनिक

में प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल रेफर किया गया। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार लोग दानापुर से ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के गरहथा कला गांव जा रहे थे। मोबाइल लोकेशन में त्रुटि के कारण वे लक्ष्य स्थल से आगे निकलकर चौकियां गांव की ओर दक्षिणी लेन पर पहुंच गए। इसी दौरान ब्रह्मपुर से पूजा कराकर डुमरांव की ओर जा रहे यात्रियों से भरा एक ऑटो उसी लेन से गुजर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक ऑटो चालक का संतुलन बिगड़ गया और उसने सामने चल रही कार में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही ऑटो पलट गया, जिससे उसमें सवार पूजा देवी, सीता देवी, संतोषी कुमारी (17), किरण देवी, गुड़िया देवी सहित तीन माह का मासूम लड्डू कुमार घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

हादसे में कार और ऑटो दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर वाहनों की तेज रफ्तार और लेन अनुशासन की अनदेखी लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है।

पुलिस ने बताया कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है और आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

केसठ में चल रहा है श्रीमद् भागवत कथा एवं अखंड हरी नाम कीर्तन

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के स्थानीय भाट्ठा पुल से होकर बस स्टैंड के तरफ जाने वाली मुख्य मार्ग स्थित ब्रह्म स्थान के प्रांगण में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 घंटे के लिए अखंड हरी नाम कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसका समापन मंगलवार को पूरे विधि विधान व जयकारे तथा प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

कीर्तन का शुभारंभ सोमवार की सुबह हुआ। कीर्तन का नेतृत्व समाजसेवी देवेंद्र दुबे द्वारा किया गया। जिसमें समस्त ग्रामीणों का सहयोग सराहनीय है। कीर्तन गाने के लिए दासियांव गांव से व्यास विपुल दुबे, रघुनाथपुर गांव से व्यास त्रिभुवन दुबे, बघउर गांव से व्याश संजय दुबे आदि द्वारा अपने समस्त कीर्तन मंडलियों के साथ भाग लेकर श्रद्धालु श्रोताओं के बीच साज बाज

के साथ विभिन्न प्रकार के लय में हरी नाम कीर्तन का रसपान कराया जा रहा है। कीर्तन के गुंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। कीर्तन समापन के बाद विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन हवन किया गया। तत्पश्चात भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें सैकड़ो लोग भाग लेकर भगवान का प्रसाद ग्रहण करेंगे।

इस संबंध में कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे देवेंद्र दुबे ने बताया कि ब्रह्म स्थान के पास यह कार्यक्रम प्रति वर्ष कराया जाता है। इस अवसर पर तरह-तरह के अनुष्ठान कार्यक्रम किया जाता है। जिसमें ग्रामीणों का सहयोग बढ़ चढ़कर रहता है तथा क्षेत्र के लोग बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार विगत 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक के लिए भागवत सप्ताह कार्यक्रम भी चल रहा है। जिसमें कथा प्रवचन का कार्य बनारस से चलकर आए आचार्य सुनील उपाध्याय द्वारा लोगों के बीच कथा का रसपान कराया जा रहा है। साथ ही कथा में संगीत भजन बनारस के मंगलम उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। कथा सुनने के लिए सैकड़ो श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। आगे बताया कि कथा प्रवचन का कार्य भी अब प्रत्येक वर्ष किया जाएगा।

ई-रिक्शा में सफर कर रही महिला के गले से चेन झपट युवक हुआ फरार

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना क्षेत्र के रूपसागर पचधरवा पुल के पास ई-रिक्शा में सफर कर रही एक महिला के साथ चौन छिनतई की घटना सामने आई है। पीड़िता ने नावानगर थाने में आवेदन देते हुए बताया कि वह मुरार थाना क्षेत्र के एक स्थानीय गांव की रहने वाली हैं और नावानगर अपने एक रिश्तेदार से मिलने आई थीं। सोमवार को वह नावानगर से मलियाबाग जाने के लिए ई-रिक्शा पर सवार हुईं। उसी ई-रिक्शा में एक युवक भी बैठा था, जो रास्ते भर सामान्य दिखाई दे रहा था। पीड़िता के अनुसार, जैसे ही ई-रिक्शा रूपसागर पचधरवा पुल के पास पहुंची, युवक ने चालक से रिक्शा रोकने को कहा और उतर गया। उतरने के बाद उसने भाड़ा देने के नाम पर अपनी जेब में पैसे खोजने का बहाना किया। इसी दौरान उसने मौका पाकर महिला के गले से सोने की चौन झपट ली और तेजी से फरार हो गया। घटना इतनी अचानक हुई कि महिला और रिक्शा चालक उसके पीछे दौड़ भी नहीं सके। घटना के बाद पीड़िता मंगलवार को नावानगर थाना पहुंची और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। नावानगर थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने बताया कि महिला के आवेदन पर अज्ञात युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, साथ ही संभावित मार्गों पर छापेमारी की जा रही है।

वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय संस्थापक सह सचिव की मनी 22वीं पुण्यतिथि

- **बच्चों को साक्षर बनाना ही एकमात्र राज बहादुर सिंह का था सपना : डॉ. मनीष**

केटी न्यूज/रोहतास

मंगलवार को वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर के संस्थापक सह सचिव राज बहादुर सिंह की 1 दिसंबर को धूमधाम से मनी 22वीं पुण्यतिथि। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व की गई। उक्त अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्थित संस्थापक सह सचिव राज बहादुर सिंह के प्रतिमा पर सर्वप्रथम डॉ. मनीष रंजन ने दीप प्रज्वलित के साथ माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद महाविद्यालय के समस्त कर्मियों ने भी उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके शिक्षा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. बीर बहादुर सिंह ने की। उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. मनीष रंजन ने सभा संबोधन में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जब इस दिन वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर शिक्षण संस्थान के संस्थापक सह सचिव के योगदान को पूरे रोहतास जिले में याद किया जाता है। जिनके पुण्यतिथि पर हर हाल शिक्षाविद, छात्र-छात्राओं सहित आमजन उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद करते है। जबकि संस्थापक राज बहादुर सिंह के पुत्र व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पूर्व चेयरमैन नगर परिषद,बिक्रमगंज जवाहर उर्फ सिद्धनाथ सिंह ने उनके सपनों को साकार करते हुए कहा कि यह दिन उनके पिता के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। जिन्होंने संस्थापक सह सचिव के रूप में एक ही सपना सजो रखा था कि बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में एक भव्य महाविद्यालय का नींव रखकर सभी वर्ग के बच्चों को साक्षर बनाते हुए उनका भविष्य संवारे। जिनके सपनों को आज महाविद्यालय साकार करते हुए रोहतास जिले सहित पूरे बिहार में आइकॉन बनता जा रहा है। उक्त मौके पर सैकड़ों असहाय गरीबों के बीच महाविद्यालय परिसर में कंबल वितरण किया गया। साथ ही प्रसाद भंडारा का आयोजन कर सैकड़ों लोगों को भोजन कराया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, सचिव लाल बिहारी सिंह,उमाशंकर सिंह,बलवंत सिंह,अनिल सिंह, दिनेश सिंह,अरविंद सिंह,प्रियतम सिंह,रमेश सिंह, वर्षा सिंह, वरुण सिंह,अनीता कुमारी,अखिलेश सिंह, अभय सिंह,परवेज खां,रोहित तिवारी, मंटू चौधरी, हरेंद्र हरियाली,राहुल सिंह,नरेंद्र सिंह,शशि प्रसाद, रंजीत कुमार,चंद्रेश्वर पांडे, आलोक पासवान सहित समस्त शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी मौजूद थे।

बिहार में होल्डिंग टैक्स बकायेदारों के लिए बड़ी राहत

सीवान में ज्वैलरी दुकान में बदमाशों ने हथियार के बल पर की लूट, 18 लाख कीमती सोना-चांदी लूटकर फरार

एजेंसी/सीवान

सीवान में इन दिनों अपराधियों का मनोबल चरम पर है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड़ गांव का है, जहां मंगलवार को हथियारबंद छह नकाबपोश अपराधियों ने मनमोहित ज्वेलर्स की दुकान पर धावा बोल दिया। लुटेरों ने करीब 18 लाख रुपये के सोनेझचांदी के गहने लूटे और मौके पर पांच राउंड तक हवाई फायरिंग कर बाइक से फरार हो गए।दुकानदार सुमित कुमार के अनुसार, वह रोज की तरह दुकान पर बैठे एक ग्राहक से बात कर रहे थे, तभी छह नकाबपोश अचानक दुकान के बाहर और भीतर फैल गए। दो अपराधी सड़क पर निगरानी में, दो मुख्य गेट पर और दो अंदर घुसकर हथियार तान दिए। उन्होंने गहने सौंपने की धमकी दी और मना करने पर गोली मारने की चेतावनी दी। भय के माहौल में अपराधी लाखों के जेवर समेटकर फायरिंग करते हुए चंपत हो गए। घटना की जानकारी के बाद सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार, सीवान के प्रभारी एसपी विक्रम सिहाग और महाराजगंज एसडीपीओ अमन कुमार समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में दहशत और नाराजगी साफ झलक रही है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के टारी बाजार में भी ज्वेलर्स की दुकान पर दिनदहाड़े बड़ी लूट हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसने 24 घंटे में कांड का उद्भेदन कर लिया, लेकिन व्यवसायियों ने इसे संदेहास्पद बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया था।

लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की ल्तत्काल कार्रवाईल्ल और ल्लकड़ी निगरानील्ल के दावों की पोल खोलकर रख दी है। उधर, बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालते समय कहा था कि ल्लअब अपराधी अपराध करने की हिम्मत नहीं कर पाएंगेल्ल, लेकिन सीवान में बढ़ती घटनाएं उनके इस दावे को खुली चुनौती देती नजर आ रही हैं। हाल की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी न केवल बेखौफ हैं, बल्कि पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं, कहां है पुलिस गश्त? कहां है सुरक्षा? आखिर कब तक व्यापारी और आम लोग ऐसे ही लूट और फायरिंग का सामना करते रहेंगे।

बिल बकाया वाले हजारों उपभोक्ता की कटी विद्युत कनेक्शन,146 पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/रोहतास

बिजली बिल बकाया वसूली को लेकर विभाग हुआ सख्त। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना से लोगों को 125 यूनिट निःशुल्क बिजली मिल रही है। इसके बावजूद भी पहले के बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा है व बिजली चोरी की जा रही है। ऐसी स्थिति को लेकर मुख्यालय के निर्देश पर बकाया बिल वसूली से लेकर बिजली चोरी को लेकर साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड गंभीर हो गया है। जिसका दो माह से अधिक की बकाया राशि है वैसे उपभोक्ताओं का बिजली काटी जाएगी। शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं से बकाया बिल की राशि जमा करने व 125 यूनिट निःशुल्क बिजली मिलने के बाद भी उपभोक्ताओं से विद्युत चोरी न करने की अपील की गई। इसकी

जानकारी विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के कार्यपालक अभियंता ई. ब्रवीम ने दी। बताया कि बकाया बिल यानि राजस्व वसूली के लिए चालू माह दिसंबर से विशेष अभियान शुरू है तथा यह अभियान मार्च तक चलेगा। इसके लिए मुख्यालय स्तर से प्रत्येक प्रशाखा में तीन कर्मी केवल बिजली काटने के लिए दिए गए हैं। बताया कि नवंबर में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अंतर्गत करीब 2215 लोगों की बिजली काटी गयी है। इसके अतिरिक्त विद्युत चोरी के विरुद्ध अभियान में 146 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें बिक्रमगंज मे 57, कोचस मे 27, सासाराम शहरी क्षेत्र में सात व सासाराम ग्रामीण क्षेत्र में 55 शामिल है। बताया गया की राजस्व वसूली और विद्युत चोरी के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जाएगा जिसमें सभी बकायेदारों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। विद्युत कार्यपालक अभियंता ने आगे बताया कि मुख्यालय स्तर से निर्देश पर आने वाली गर्मी के सीजन में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सभी पावर सब स्टेशनों के साथ ही सभी 33 केवी, 11 केवी और ट्रांसफार्मर पर जरूरी मेंटेनेंस कार्य किए जा रहे हैं।

अभियान : विद्यालय के बच्चें अब माता-पिता से पराली नहीं जलाने का करेंगे आग्रह

केटी न्यूज/रोहतास

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस की पूर्व संध्या पर रोहतास जिला के बिक्रमगंज प्रखंड के मानी ग्राम पंचायत में मंगलवार को जैव विविधता प्रबंधन समिति के तरफ से स्कूली बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। बच्चों को पराली से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अपील किया गया कि वे अपने माता-पिता से भी पराली नहीं जलाने का आग्रह करें। जिसके तहत मानी ग्राम पंचायत के मानी, रमन डिहरा, लक्ष्मणपुर, मठिया गांव के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के बच्चों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैव विविधता प्रबंधन समिति मानी के अध्यक्ष मृत्युंजय मानी ने बच्चों से अपील किया कि वह अपने माता-पिता से आग्रह करें कि खेतों में पराली न जलाएं। क्योंकि पराली से मिट्टी के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। मिट्टी की उर्वरा शक्ति काम हो जाती है। मिट्टी धीरे-धीरे बंजारा बना सकती है। इससे

वायु प्रदूषण भी फैलता है। संकल्प दिलाया कि अपने जन्मदिन पर एक-एक पौधा लगाएं और उसे पेड़ बनाएं। बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने माता-पिता से आग्रह करेंगे कि पराली न जलाएं। अवसर पर मानी ग्राम पंचायत मुखिया लवजी कुमार गौतम ने कहा कि पराली से उपजाऊ भूमि को काफी नुकसान होता है। हम लोगों को पराली नहीं जलाने का संकल्प लेनी चाहिए। ताकि पर्यावरण प्रदूषित न हो सके। उच्च माध्यमिक विद्यालाय प्रधानाध्यापिका किरण कुमारी, मध्य विद्यालय मानी के अवधेश कुमार,उत्क्रमित मध्य विद्यालय रमन डिहरा के प्रधानाध्यापक अली हुसैन अंसारी, प्राथमिक विद्यालय,सोनी मठिया के प्रधान शिक्षक राघवेंद्र पांडेय, प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर के प्रधान शिक्षिका रेखा तिवारी वेंकटेश सिंह, मो. युसूफ अफरीदी, स्वामी विवेकानन्द पब्लिक स्कूल लक्ष्मणपुर के निदेशक संजीव कुमार पटेल, सुनील कुमार और ओसियन पब्लिक स्कूल रमन डिहरा के अजीत कुमार ने आयोजित कार्यक्रमों में अहम भाग लेते हुए प्रदूषण की रोकथाम के उपाय पर बच्चों को जानकारी दी। मौके पर जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य श्याम नारायण सिंह, अशोक कुमार,परशुराम राम सहित अन्य ने लोगों ने भाग लिया।

एक नजर

उर्वरक विक्रेताओं को कालाबजारी से दूर रहने का बीएओ ने दिया सख्त निर्देश

नासरीगंज (रोहतास) मंगलवार को बीएओ मो. दानिश के अध्यक्षता में प्रखंड के सभी खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उर्वरक व्यापार से संबंधित आवश्यक नियमों की जानकारी दी गई। जिस संदर्भ में बताया कि किसानों को सरकारी रेट पर उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति लागू है और सभी विक्रेता इसका पालन सुनिश्चित करेंगे।वहीं सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उर्वरक व्यापार में किसी भी प्रकार की अनियमितता या धोखाधड़ी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई होगी। बैठक में कृषि समन्वयक शारदानंद सिंह, कमलेश कुमार सिंह,किसान सलाहकार अनिल कुमार सिंह ने कहा कि प्रत्येक विक्रेता अपने अनुज्ञप्ति का समय पर नवीकरण करा लें। स्टॉक की स्थिति सही एवं अद्यतन रखना आवश्यक है तथा बिक्री रजिस्टर को रियल-टाइम में अपडेट रखना होगा, ताकि निरीक्षण के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जन कल्याण चौपाल में फसल अवशेष को खाद बनाने पर हुई विशेष चर्चा

नासरीगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के इटिम्हां पंचायत अंतर्गत बलियाकोठी गांव में आत्मा के सौजन्य से कृषि जन कल्याण चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें एटीएम नवीन कुमार पटेल ने कहा कि फसल अवशेष ही किसानों के लिए विशेष है। फसल अवशेष का किसान खाद बनाने में उपयोग करें जिससे उन्हें फसलों के उपज में सहायता मिलेगी। कहा कि किसान किसी हाल में पराली न जलाएं। अगर ऐसा करते पकड़े जाते है तो सरकार के सभी लाभकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाएगा। किसान अपने फसलों की पराली को अपने खेतों में सुरक्षित रखें। वहीं बीटीएम अरुण कुमार ने भी फसल सम्बन्धी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत रूप से किसानों को गुर सिखाए। बीएओ मो. दानिश ने कहा कि प्रखण्ड के सभी पंचायतो में किसान चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। आगामी तीन नवम्बर को कैथी में किसान चौपाल का आयोजन किया जाएगा। मौके पर किसान सलाहकर अरुण कुमार, अनिल सिंह, अशोक कुमार, रामायण प्रसाद, वार्ड सदस्य चपमा देवी आदि थे।

रोहतास में नकली नमक का भंडाफोड़, दो कारोबारी गिरफ्तार, गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

रोहतास । रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप पुलिस ने छापेमारी कर नकली नमक के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। दरिगांव थाने की पुलिस ने मंगलवार को घनकी जामुन स्थित एक मकान में छापेमारी के दौरान लगभग 7 क्विंटल नकली नमक जब्त किया। इस दौरान पुलिस को नमक की पैकिंग मशीन सहित अन्य सामान भी मिला। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है। इस कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मच गया है और खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।गुप्त सूचना पर कार्रवाई, दो कारोबारी गिरफ्तार दरिगांव थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के घनकी जामुन के समीप एक मकान में नकली नमक का बड़ा कारोबार तेजी से चल रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम का गठन कर छापेमारी की गई। इस दौरान 650 क्विंटल नकली नमक के साथ पैकिंग मशीन, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर और अन्य सामान बरामद हुआ।

राजभवन अब 'बिहार लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा, नाम बदले जाने को लेकर अधिसूचना जारी

पटना। बिहार में राजभवन का नाम तत्काल प्रभाव से बदला गया है। अब आधिकारिक रूप से राजभवन को बिहार लोक भवन के रूप में जाना जाएगा। केंद्र सरकार के निर्णय के बाद राजभवन का नाम बिहार लोक भवन किया गया है। इसे लेकर राज्यपाल के प्रधान सचिव आरएल चोंग्थु ने अधिसूचना जारी की है। अब आधिकारिक तौर पर हर जगह बिहार लोक भवन के तौर पर ही राजभवन को जाना जाएगा। वही प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम अब बदलकर ह्यसेवा तीर्थह्न कर दिया गया है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बन रहे नए पीएम कार्यालय को यह नाम दिया गया है। यह केंद्र देश से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों का स्थल है और इसका उद्देश्य शासन में सेवा की भावना को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। यह बदलाव अकेला नहीं है। सरकार ने हाल के वर्षों में कई सरकारी भवनों और मार्गों के नाम बदले हैं, जो प्रशासन में सेवा, जिम्मेदारी और पारदर्शिता की नई सोच को दशार्ते हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार ऐसे नाम चुन रही है जो सत्ता के बजाय सेवा, और अधिकार के बजाय जिम्मेदारी पर जोर दें। इसी कड़ी में दिल्ली के राजभवन का नाम अब लोक भवन कर दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास का नाम पहले ही लोक कल्याण मार्ग किया जा चुका है, जबकि राजपथ को कर्तव्य पथ कहा जाने लगा है। केंद्रीय सचिवालय को भी नया नाम कर्तव्य भवन मिला है।

बोधगया में 20वां अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक जप समारोह 28 देशों के 25 हजार भिक्षु और श्रद्धालु शामिल

केटी न्यूज/रोहतास

महाबोधी मंदिर में 2 दिसंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 20वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक जप समारोह का शुभारंभ संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया। यह 10 दिवसीय जप समारोह में 28 विभिन्न देशों से आए 25 हजार बौद्ध भिक्षु, भिक्षुणी और श्रद्धालु सामूहिक रूप से त्रिपिटक जप में भाग लेंगे।शुभारंभ के बाद संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि बुद्धिस्ट देशों से 25 हजार से अधिक बौद्ध भिक्षु और श्रद्धालु इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। ये सभी 10 दिनों तक सामूहिक रूप से पाठ करेंगे और ज्ञान की धरती बोधगया के बोधि वृक्ष के नीचे एक साथ प्रार्थना करेंगे।उन्होंने कहा कि वर्तमान विश्व परिदृश्य में भूराजनीतिक अशांति है। ऐसे समय में शांति और एकात्मकता का भाव स्थापित करने की दिशा में यह अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का भी हवाला देते हुए बताया कि पीएम ने आयोजकों को धन्यवाद दिया और इसे करुणा, शांति और प्रेम स्थापित करने की दिशा में एक बेहतर कदम बताया।गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। पाली भाषा में भगवान बुद्ध के संदेशों को अन्य भाषाओं में भी अनूदित किया जाएगा, ताकि उनके उपदेश और शिक्षाएँ व्यापक रूप से फैल सकें।

चुनाव में उत्कृष्ट कानून व्यवस्था के लिए थानाध्यक्ष को एसपी ने किया सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान सम्पन्न कराने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार भापुसे० ने संझौली थाना अध्यक्ष पूनम कुमारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। एसपी द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि चुनाव के दौरान संझौली थाना क्षेत्र में लगातार प्रभावी गश्ती, वांछित अभियुक्तों-वारंटियों की गिरफ्तारी, छापेमारी तथा असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण हेतु की गई कार्रवाई से मतदान कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इसके अलावा मतदान केंद्रों की सुरक्षा, मतदाताओं एवं निर्वाचन कर्मियों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में थाना अध्यक्ष द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय रहे। एसपी रौशन कुमार ने पत्र के माध्यम से थाना अध्यक्ष पूनम कुमारी की पूर्ण समर्पण भावना, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे इसी प्रकार कार्य करते हुए बिहार पुलिस की गरिमा को बनाए रखेंगी। प्रशस्ति पत्र पाकर थाना अध्यक्ष पूनम कुमारी ने कहा कि यह सम्मान उनकी टीम की कड़ी मेहनत और जनता के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा जनता की सुरक्षा को सर्वोपरि रखने का संकल्प दोहराया।

बिहार में जल्द होगा ग्रीन फिल्म सिटी का निर्माण, सरकार ने जारी किए निर्देश

एजेंसी/पटना

बिहार में जल्द ही एक ऐसी फिल्म सिटी बनेगी जो विश्वस्तरीय भी होगी और पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल भी होगी। सोमवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक में देश-विदेश के बड़े निवेशकों और फिल्मी हस्तियों ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बैठक में साफ हो गया कि राज्य सरकार का फोकस केवल एक फिल्म सिटी बनाने पर नहीं बल्कि ग्रीन फिल्म सिटी विकसित करने पर है जो सस्टेनेबल विकास के सिद्धांतों पर खरी उतरे।निवेशकों ने प्रस्तुति में बताया है कि प्रस्तावित फिल्म सिटी में आधुनिक आउटडोर लोकेशन्स,

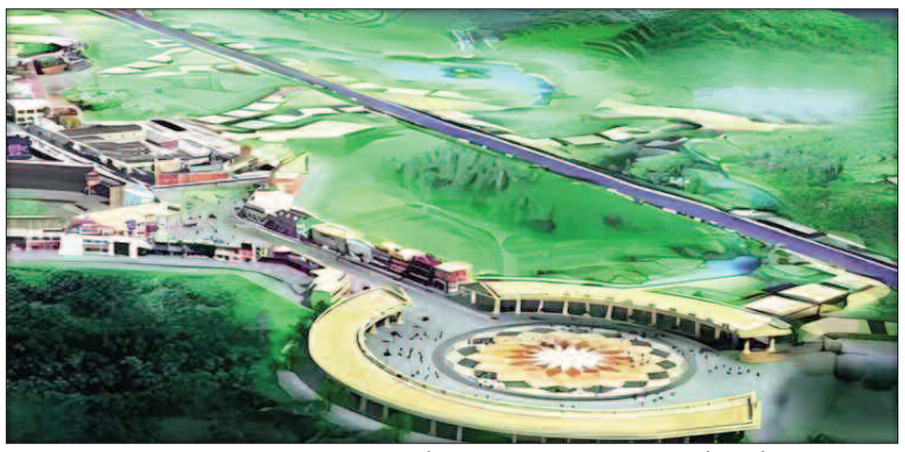

साउंडप्रूफ इंडोर स्टूडियो, अत्याधुनिक पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं, वीएफएक्स लैब, मीडिया बिजनेस हब और फिल्म से जुड़ा पूरा इको-सिस्टम होगा। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गंगा-घाघरा का प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण परिवेश इसे बॉलीवुड से लेकर दक्षिण भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के लिए आकर्षक बनाएंगे। मुख्य सचिव ने तुरंत एक्शन लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि अगले कुछ हफ्तों में ही परियोजना का विस्तृत रोडमैप, लोकेशन सर्वे, लैंड बैंक और निवेश मॉडल तैयार कर लिया जाए। उन्होंने कहा है कि बिहार अब सिर्फ आईटी और इंडस्ट्री में ही नहीं, क्रिएटिव इकॉनमी में भी अग्रणी राज्य बनेगा। यह फिल्म सिटी हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देगी और राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग करेगी। इस बैठक में फिल्म निमार्ता टुटू शर्मा, गौरव द्विवेदी, कणिका सिंघल, राहुल नेहरा, हेमा उपाध्याय और बिहार की बेटी अभिनेत्री नीतू चंद्रा समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। नीतू चंद्रा ने इस बारे में कहा कि बिहार की मिट्टी में कला और संस्कृति की गजब की ऊर्जा है। यहां फिल्म सिटी बनेगी तो न सिर्फ बिहारी कलाकारों को मौका मिलेगा बल्कि पूरा बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री यहां शूटिंग के लिए आएगा। सरकार सूत्रों के मुताबिक फिल्म सिटी के लिए पटना, राजगीर, बोधगया और भागलपुर के आसपास की लोकेशन पर विचार चल रहा है। परियोजना को पीपीपी मॉडल पर ले जाया जाएगा और सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था की जाएगी। आने वाले दिनों में एक और बड़ी बैठक होने की संभावना है जिसमें फाइनल ब्लूप्रिंट को मंजूरी दी जाएगी।

गंडक नदी में बड़ा हादसा, 20 सवारियों वाली नाव डूबी, दो बच्चियां अभी भी लापता खोज-बीन जारी

एजेंसी। पटना

पश्चिम चंपारण के बैरिया थाना क्षेत्र स्थित कोइरपट्टी घाट के पास सोमवार की शाम एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना सामने आई, जहां ग्रामीणों से भरी एक छोटी नाव गंडक नदी में अचानक पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दैनिक खेत-खलिहान का काम निपटाकर, चारा काटकर और भोजन देकर लौट रहे ग्रामीण बड़ी संख्या में इस नाव पर सवार हो गए थे। 5 से 6 लोगों की क्षमता वाली नाव पर करीब 15 से 20 लोग बैठे थे, जिससे नाव असंतुलित हो गई और सामने से आ रही एक बड़ी नाव से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद गंडक की तेज धारा में कई लोग बह गए। स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल बचाए गए अधिकांश लोगों की पहचान हो चुकी है, लेकिन दो बच्चियां पुनीता कुमारी (17 वर्ष), पिता धर्म यादव, और रौनक उर्फ सुगी (8 वर्ष), पिता रमेश कुमार अभी भी लापता हैं। दोनों

आपस में फुआ-भतीजी बताई जाती हैं, जिनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बिना देरी किए नदी में कूदकर बचाव कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस बल और गोताखोर भी घटनास्थल पर पहुँच गए और सर्च ऑपरेशन युद्धस्तर पर जारी है। थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने फिलहाल मीडिया को आधिकारिक बयान देने से परहेज किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार पुलिस हर संभव संसाधन जुटाकर दोनों बच्चियों की खोज में लगी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि घाट पर नावों की नियमित जाँच और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता, जिससे इस तरह की दुर्घटनाएँ बार-बार होती हैं। लोग प्रशासन से तत्काल राहत, लापता बच्चियों की तेजी से तलाश, नाव परिचालन पर निगरानी, और घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग घाट पर जमा हो गए। लापता दोनों बच्चियों के परिवार अब भी नदी किनारे उम्मीद और दहशत के बीच खड़े हैं। पुनीता की मां बेहोशी की हालत में है, जबकि छोटी सुगी का परिवार लगातार नदी में देखने-ढूंढने की कोशिश कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों बच्चियां परिवार और गांव की सबसे चंचल और होनहार बेटियों में थीं।

एक नजर

मां की डांट से आहत होकर नाबालिग ने दी जान, परिवार में मचा कोहराम

जमुई। जमुई जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरला गांव में सोमवार देर शाम एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहलाकर रख दिया। महज 14 वर्ष की एक किशोरी ने मां की डांट से आहत होकर साड़ी के सहारे छत में लगे एंगल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार सुबह लक्ष्मीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया। नाबालिग की मौत से परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में मातम का माहौल है। मृतका के पिता रविंद्र कुमार ने बताया कि घटना के समय वे मुंगेर जिले के खड़कपुर भगनी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए हुए थे। उनके अनुसार, सोमवार शाम उन्होंने घर पर फोन किया तो परिजनों ने बेटी की मौत की सूचना दी, जिसके बाद वे बदहवास हालत में तुरंत घर लौटे। पिता ने बताया कि उनकी बेटी सोमवार को बिना बताये लक्ष्मीपुर चली गई थी, जबकि उस दिन न तो स्कूल था और न ही ट्यूशन। इस बात को लेकर घर लौटने पर उसकी मां ने उसे डांट दिया था। पिता ने कहा कि बेटी इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा देने वाली थी और पढ़ाई को लेकर भी उन पर दबाव रहता था। शायद डांट की वजह से वह मानसिक रूप से आहत हो गई। परिजनों के अनुसार, रोज की तरह सोमवार शाम मां दीपक जलाने गई, लेकिन उसने पाया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। कई बार खटखटाने और आवाज लगाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। परिवार को लगा कि बेटी नाराज होकर सो गई है, इसलिए दरवाजा नहीं खोल रही। मां-बाप यह सोच भी नहीं सकते थे कि मासूम बेटी इतना बड़ा और कठोर कदम उठा लेगी। घर में किसी ने भोजन नहीं किया, क्योंकि सबको लगा कि वह गुस्सा होकर बैठी है और मनाने पर मान जाएगी। लेकिन रात गहराते-गहराते जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो शक गहराया। आखिरकार परिजनों ने दरवाजा तोड़ने का निर्णय लिया।

पटना में महिला की ईंट-पत्थर से हत्या, अवैध शराब कारोबार में पैसों के विवाद से जुड़ा पूरा मामला

पटना। पटना के राजीव नगर इलाके में सोमवार रात एक ऐसी दर्दनाक वारदात हुई जिसने पूरे मोहल्ले को दहशत में डाल दिया। रोड नंबर 25 डी में रहने वाली 25 वर्षीय प्रियंका की बेरहमी से ईंट्झपत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। घटना रात करीब 8:15 बजे की है। जब स्थानीय लोगों ने शोरगुल सुना और बाहर पहुंचे, तब तक प्रियंका गंभीर हालत में तड़प रही थी। देखने वालों के मुताबिक हत्या इतनी क्रूर थी कि मौके का मंजर किसी को भी विचलित कर सकता था। पुलिस की शुरूआती जांच में ये बात सामने आई है कि यह हत्या किसी आपसी रंजिश या अचानक हुए झगड़े का नतीजा नहीं, बल्कि अवैध शराब कारोबार से जुड़े पुराने पैसों के विवाद का परिणाम है। मृतका के पति मेघनाथ साह इंद्रपुरी इलाके में अपने दो साथियों–प्रकाश उर्फ जेपी और लालू उर्फ मुखिया–के साथ मिलकर अवैध शराब का धंधा करता था। पिछले कुछ हफ्तों से तीनों के बीच पैसों के बंटवारे को लेकर तनाव चल रहा था। सोमवार शाम इंद्रपुरी में लेनदेन के मुद्दे पर तीनों के बीच जमकर विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपियों ने मेघनाथ को खुलेआम धमकी देकर कहा कि वे इसका अंजाम भुगतेंगे। मेघनाथ के बयान के अनुसार, इंद्रपुरी में हुए झगड़े के कुछ ही समय बाद दोनों आरोपी उसके राजीव नगर स्थित घर पर पहुंच गए। उस दौरान गली की स्ट्रीट लाइटें अचानक बंद हो गईं। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह स्ट्रीट लाइटें जानबूझकर बंद की गई थीं ताकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठा सकें और उनकी पहचान न हो सके। आरोपियों ने घर पहुंचकर प्रियंका को बाहर बुलाया और अचानक उस पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बदमाशों ने ईंट और बड़े पत्थरों से उसके सिर और शरीर पर कई वार किए। हमला इतना बेरहम था कि प्रियंका मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ी।

रडार पर बिहार के दो जिलों के 250 से अधिक शिक्षक, शिक्षा विभाग ने नोटिस भेजकर मांगा जवाब

एजेंसी/पटना

सुपौल और कटिहार जिलों के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी में अनियमितताएं सामने आई हैं। सुपौल में 111 और कटिहार में 142 शिक्षकों ने ई-शिक्षा कोष ऐप पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं की, जिसके चलते उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। विभाग ने समय पर जवाब न देने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ई-शिक्षा कोष ऐप के माध्यम से हाजिरी अनिवार्य की गई है। लेकिन ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था के बावजूद कुछ शिक्षक अपनी पुरानी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं।सुपौल के सदर प्रखंड में 27 नवंबर को ऑनलाइन हाजिरी की जांच के दौरान यह पाया गया कि 111 शिक्षकों ने हाजिरी दर्ज नहीं की थी। बीईओ ने सभी शिक्षकों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुबह 9:30 बजे तक हाजिरी और शाम 4 बजे तक आउट करना सभी

शिक्षकों के लिए अनिवार्य है। कटिहार के प्राणपुर में ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अनुपस्थित पाए गए 142 शिक्षकों से बीडीओ सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनीषा कुमारी ने स्पष्टीकरण मांगा है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पोर्टल पर लोड हो रहे डाटा का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें 27 नवंबर को कुल 142 शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज नहीं होने की पुष्टि हुई। विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता माना है और निर्देश दिया है कि सभी शिक्षक 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो मामला उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उत्कर्ष किशोर बने मदन सहनी के आप्त सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी से जुड़ी एक अहम सूचना सामने आई है। मंत्रिमंडल सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी करते हुए बताया है कि उत्कर्ष किशोर को मंत्री मदन सहनी का आप्त सचिव (बाह्य) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 20 नवंबर 2025 से प्रभावी होगी और पूरी तरह अस्थायी प्रकृति की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मंत्री के पद छोड़ते ही उनकी सेवाएं स्वतः समाप्त मानी जाएंगी। जारी अधिसूचना के अनुसार, यह नियुक्ति केवल मंत्री मदन सहनी के कार्यकाल तक ही वैध रहेगी। यदि किसी कारणवश मंत्री अपने पद से हटते हैं या आपको सचिव पद से मुक्त किया जाता है, तो उनकी सेवाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी। सरकार ने यह भी कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर यह नियुक्ति बिना किसी पूर्व सूचना के भी खत्म की जा सकती है। उत्कर्ष किशोर पहले भी मंत्री मदन सहनी के आप्त सचिव रह चुके हैं और मंत्री के साथ उनके कार्य करने का अनुभव पहले से मौजूद है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और बिहार के युवाओं में लोकप्रिय संस्थान ह्यटीम यूकेह्ल के संस्थापक भी हैं। उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक पृष्ठभूमि ने उन्हें एक कुशल और भरोसेमंद व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। उत्कर्ष किशोर बिहार के चर्चित पूर्व आईएएस अधिकारी स्वर्गीय श्याम किशोर के पुत्र हैं। उनके परिवार की प्रशासनिक पृष्ठभूमि और खुद उत्कर्ष के नेतृत्व व संगठन क्षमता को देखते हुए उनकी नियुक्ति को विभाग के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना में पुनः स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति एक अस्थायी तथा व्यक्तिगत पद है, जो मंत्री के पद से जुड़ा हुआ है। ऐसे पदों पर नियुक्ति का उद्देश्य मंत्री को प्रशासनिक और कार्यकारी सहायता उपलब्ध कराना होता है ताकि विभागीय कार्य तेजी और दक्षता के साथ पूरे हो सकें। इस नियुक्ति के प्रभावी होने के बाद से अब उत्कर्ष कुमार मंत्री मदन सहनी के विभागीय कार्यों के संचालन, समन्वय और प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बिहार में अब फल और सब्जियों की बबार्दी रोकेगी सरकार समस्या के समाधान में खर्च किए जाएंगे 22 करोड़ 25 लाख

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने अब फल और सब्जियों को बर्बाद होने से बचाने को लेकर कमर कस लिया है। हर साल राज्य में लाखों टन फल-सब्जियां सड़कर बर्बाद हो रही हैं, जिससे किसानों की कमर टूट रही है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि विभाग ने 22 करोड़ 25 लाख रुपये की एक योजना को हरी झंडी दे दी है। यह पैसा प्लास्टिक क्रेट, लेनो बैग और फ्रूट ट्रैप बैग जैसी सामग्री पर सब्सिडी के रूप में खर्च होगा ताकि किसान अपनी उपज को सुरक्षित तरीके से यहाँ से वहाँ ले जा सकें। राज्य के सभी 38 जिलों में फैले लाखों फल और सब्जी उगाने वाले किसानों को इससे फायदा पहुंचेगा। इस योजना के तहत प्लास्टिक क्रेट की प्रति इकाई लागत 400 रुपये, लेनो बैग की 20 रुपये और फ्रूट ट्रैप बैग की 30 रुपये रखी गई है। सब्सिडी के बाद किसानों को ये चीजें सस्ते दामों पर मिलेंगी। एक किसान न्यूनतम 10 से अधिकतम 50 क्रेट, 100 से 1000 लेनो बैग और 300 से 10,000 फ्रूट ट्रैप बैग ले सकेगा। फ्रूट ट्रैप बैग का खास

फायदा केला उत्पादकों को होगा, यह फल को कीटों से बचाने में मदद करेगा। लाभ लेने के लिए किसान को बिहार का मूल निवासी होना चाहिए और कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर पंजीकृत होना जरूरी है। आवेदन ऑनलाइन ही होगा और आवेदन के समय आधार, जमीन के कागजात और फोटो इत्यादि दस्तावेज अपलोड करने पड़ेंगे। बिहार में यह कदम उठाना जरूरी भी है क्योंकि 2024 में राज्य ने करीब 17 मिलियन टन सब्जियां पैदा कीं थी लेकिन कोल्ड स्टोरेज की भारी कमी से लाखों टन अनाज और फल-सब्जियां सड़ जाती हैं। 12 जिलों में तो एक भी कोल्ड चेन की सुविधा नहीं है, जिससे कई बार बाजार तक पहुंचते-पहुंचते किसान की उपज खराब हो जाती है। यह नुकसान न सिर्फ आर्थिक है बल्कि सामाजिक भी है क्योंकि भारत ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 में 105वें स्थान पर है, वो भी गंभीर श्रेणी में। बिहार में 50% से ज्यादा आबादी बहुआयामी गरीबी में जी रही है और कुपोषण की समस्या सबसे ज्यादा यहीं है। इतनी बबार्दी से तेलंगाना या केरल जैसे राज्यों का पेट भर सकता है।

बिहार के कई जिलों में अगले 2 दिन भीषण ठंड का अलर्ट

- पारा फिर 10 डिग्री के नीचे जाने की आशंका

एजेंसी/पटना

सुपौल और कटिहार के सरकारी स्कूलों में कई शिक्षकों ने ई-शिक्षा कोष ऐप पर हाजिरी नहीं दी। सुपौल में 111 और कटिहार में 142 शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। विभाग ने समय पर जवाब न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। बिहार में सर्द हवाओं का असर अब और तेज हो रहा है। साथ ही कोहरे की मार ने मामला और गंभीर कर दिया है। ऐसे में अब मौसम विभाग ने 20 से अधिक जिलों के लिए डबल अलर्ट जारी

कर दिया है। अगले दो दिनों में सुबह-शाम कोहरा लोगों की परेशानियां बढ़ाएगा। इससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित होगा, जबकि इस दौरान न्यूनतम तापमान 9 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। साथ ही पछुआ हवाओं की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने से ठंडक का अहसास और भी गहरा हो जाएगा।इन प्रभावित जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर, खगड़िया, मुंगेर, बांका, पटना, औरंगाबाद, लखीसराय और कैमूर प्रमुख हैं। इन क्षेत्रों में कोहरा विशेष रूप से सुबह के समय घना होगा, जिससे दृश्यता 500 मीटर तक सीमित रह सकती है। पूर्णिया और किशनगंज जैसे उत्तरी जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक गिरेगा, जबकि दक्षिणी भागों में 12-15 डिग्री के आसपास रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 24-28 डिग्री के दायरे में स्थिर रहेगा, लेकिन दिन में साफ आसमान से कुछ राहत जरूर मिलेगी। पछुआ हवाओं का प्रवाह अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा और यह ठंड को और तीव्र करेगा। मौसम केंद्र ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ठंडी लहरें तेज होंगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि कोहरे में धीमी गति से वाहन चलाएं, फॉग लाइट का इस्तेमाल करें और सतर्क रहें।

दो बाइकों की टक्कर, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दर्दनाक हादसा बसौली पुल और मलंग स्थान के बीच हुआ, जहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सड़क पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों मोटरसाइकिलें काफी तेज रफ्तार में थीं। जैसे ही दोनों बाइकें एक-दूसरे के करीब आईं, किसी को संभलने का मौका नहीं मिला और तेज रफ्तार की वजह से टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक सवार मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरा युवक बुरी तरह जख्मी होकर सड़क किनारे तड़पने लगा। दुर्घटना में जान गंवाने वाले युवक की पहचान चढुआ गांव निवासी सुमन कांत उर्फ बूल्लू (32), पिता–जगदीश राम के रूप में हुई है। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि सुमन कांत रोजमर्रा के काम से किसी जरूरी काम के लिए घर से निकला था, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसकी जिंदगी खत्म हो गई।

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन : 1355 प्लेयर्स रजिस्टर्ड

2 करोड़ बेस प्राइस पर 45 नाम, 77 स्लॉट खाली, ग्रीन पर केकेआर और सीएसके की नजर

एजेंसी/नई दिल्ली

अगले आईपीएल के लिए 1355 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 2 करोड़ की बेस प्राइस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन, भारत के रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर, श्रीलंका के मथीश पथिराना और वनिंदु हसरंगा समेत कुल 45 खिलाड़ी शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 नवंबर थी। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद क्ढछ ने यह लंबी लिस्ट सभी फ्रेंचाइजियों को भेज दी है। हर टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी रखे जा सकते हैं। ऐसे में इस बार ऑक्शन में कुल 77 स्लॉट भरे जाएंगे, जिनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं। ऑक्शन में सबसे बड़ी नजर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर रहेगी। वे पिछले साल बैक इंजरी की वजह से मेगा ऑक्शन में नहीं उतरे थे। इस बार केकेआरऔर सीएसके दोनों उनके लिए बोली लगा सकते हैं। इन दोनों टीमों के पास सबसे बड़ा पर्स है और एक-एक विदेशी स्लॉट भी खाली है। केकेआर को ग्रीन का मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के क्ढछ से रिटायर होने के बाद टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की जरूरत है जो हर स्थिति में बल्लेबाजी कर सके और गेंदबाजी भी दे सके। कई खिलाड़ी जिन्हें हाल ही में टीमों ने रिलीज किया था, उन्होंने भी खुद को 2 करोड़ की बेस प्राइस में रखा है। इनमेंसीएसके के पथिराना भी हैं, जिन्हें चेन्नई ने पिछले साल 13 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन चोट की वजह से वे पूरा असर नहीं दिखा पाए। इसी तरह इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन को आरसीबी ने पिछले मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ में लिया था, लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई भी 2 करोड़ की कैटेगरी में हैं। एलएसजी ने बिश्नोई को पिछले साल 11 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन लगातार कमजोर प्रदर्शन की वजह से अब उन्हें रिलीज कर दिया गया। 2 करोड़ की लंबी लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का नाम नहीं है। उन्हें पिछले साल पंजाब किंग्स ने 4.2 करोड़ में खरीदा था, लेकिन 37 साल के मैक्सवेल इस सीजन से पहले ही उंगली की चोट की वजह से बाहर हो गए। उनकी जगह पीबीकेएस ने मिचेल ओवेन को टीम में रखा, जिन्हें इस साल रिटेन कर लिया गया है। पीबीकेएस के विकेटकीपर जोश इंग्लिस का नाम भी ऑक्शन में है। उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम रोल निभाया था, लेकिन वे निजी कारणों से पूरे 2026 सीजन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। आईपीएल ने फ्रेंचाइजियों को बताया है कि इंग्लिस की उपलब्धता सिर्फ 25% रहेगी।

रिलीज हुए कई बड़े नाम 2 करोड़ की कैटेगरी में

कई खिलाड़ी जिन्हें हाल ही में टीमों ने रिलीज किया था, उन्होंने भी खुद को 2 करोड़ की बेस प्राइस में रखा है। इनमें उरङ के पथिराना भी हैं, जिन्हें चेन्नई ने पिछले साल 13 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन चोट की वजह से वे पूरा असर नहीं दिखा पाए। इसी तरह इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन को फ्छइ ने पिछले मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ में लिया था, लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई भी 2 करोड़ की कैटेगरी में हैं। छरञ्ने बिश्नोई को पिछले साल 11 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन लगातार कमजोर प्रदर्शन की वजह से अब उन्हें रिलीज कर दिया गया।

ग्लेन मैक्सवेल शामिल नहीं

2 करोड़ की लंबी लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का नाम नहीं है। उन्हें पिछले साल पंजाब किंग्स ने 4.2 करोड़ में खरीदा था, लेकिन 37 साल के मैक्सवेल इस सीजन से पहले ही उंगली की चोट की वजह से बाहर हो गए। उनकी जगह ढइङर ने मिचेल ओवेन को टीम में रखा, जिन्हें इस साल रिटेन कर लिया गया है।

जोश इंग्लिस की उपलब्धता सिर्फ 25%

ढइङर के विकेटकीपर जोश इंग्लिस का नाम भी ऑक्शन में है। उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम रोल निभाया था, लेकिन वे निजी कारणों से पूरे 2026 सीजन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। क्ढछ ने फ्रेंचाइजियों को बताया है कि इंग्लिस की उपलब्धता सिर्फ 25% रहेगी।

एक नजर

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर का 62 की उम्र में हुआ निधन, क्रिकेट जगत में पसरा मातम

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रॉबिन स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्मिथ ने इंग्लैंड के लिए 1988 से 1996 तक 62 टेस्ट मैच और 71 वनडे मुकाबले खेले। वह 1992 वर्ल्ड कप में उपविजेता टीम (इंग्लैंड) का हिस्सा रहे थे। रॉबिन स्मिथ के निधन की पुष्टि उनके परिवार के सदस्यों ने की। इस दुखद खबर को सुनने के बाद क्रिकेट जगत में मातम का माहौल बन गया है। रॉबिन स्मिथ के करियर की बात करें तो उन्होंने इंग्लैंड के लिए 62 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 43.67 की औसत से 4,236 रन बनाए, जिसमें 9 शतक शामिल थे। जिसमें 3 शतक उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाए थे। टेस्ट में उनका हाईएस्ट स्कोर 175 रन का था, ये पारी उन्होंने 1994 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। स्मिथ काउंटी क्रिकेट में भी खेले और वहां उन्होंने हैम्पशायर टीम का प्रतिनिधित्व किया। 2004 में स्मिथ ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और इसके बाद से उनका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। स्मिथ ने 1993 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेली थी। उन्होंने वनडे में नाबाद 167 रन बनाए थे जो इस फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था। स्मिथ का ये रिकॉर्ड को 23 साल तक बरकरार रहा था। 2016 में एलेक्स हेल्स ने इस रिकॉर्ड को तोड़ा था। हेल्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 2016 में 171 रन की पारी खेलकर इस रिकॉर्ड को तोड़ा था। वनडे में उन्होंने 71 मैचों की 70 पारियों में 39.01 के औसत से 2419 रन बनाए थे।

कोहली 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

नई दिल्ली। विराट कोहली 15 साल बाद घरेलू विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। उन्होंने फोन पर डीडीसीए को इसकी जानकारी दी और बोर्ड ने इसकी पुष्टि की है। कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में पिछला मैच फरवरी 2010 में सर्विसेज के खिलाफ खेला था। टूर्नामेंट 24 दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। कोहली अब टीम इंडिया के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं। वे टी-20 क्रिकेट से 29 जून 2024 और टेस्ट से 12 मई 2025 को रिटायर हो चुके हैं।दिल्ली अपने 5 लीग मैच बेंगलुरु के पास अलूर में खेलेगी और दो मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, जो कोहली की क्ढछ टीम आरसीबी का होम ग्राउंड है। कोहली ने दिल्ली के लिए

वैभव सैयद मुश्ताक अली में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर, 18 साल से कम उम्र में सबसे ज्यादा सेंचुरी

एजेंसी/नई दिल्ली

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने नया इतिहास रच दिया। वे टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। बिहार के वैभव ने अपना तीसरा टी-20 शतक जड़ा, जो इस उम्र में दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का पहला ऐसा रिकॉर्ड है। महाराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने 58 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने चोट से उबरकर जोरदार वापसी की। एशिया कप फाइनल के बाद पहली बार मैदान पर उतरे हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ नाबाद 77 रन बनाकर बड़ौदा को जीत दिलाई। पंजाब की ओर से कप्तान अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 18 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन उनकी तेज पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। दूसरी ओर, पृथ्वी शॉ के 66 रन महाराष्ट्र की जीत के लिए काफी रहे। इसके अलावा, कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल ने टी-20 में अपनी जबरदस्त फॉर्म जारी रखते हुए 46 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए। यह उनके करियर की चौथी टी-20 सेंचुरी है, जो तमिलनाडु के खिलाफ आई।14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने तीन खराब स्कोर के बाद जोरदार वापसी करते हुए बड़ा शतक जड़ा। बिहार की ओर से खेलते हुए उन्होंने 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए। इस पारी में 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। वैभव की पारी से बिहार ने 176/3 का स्कोर खड़ा किया। सूर्यवंशी इस साल भारत की ओर से तीन टी-20 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जो अभिषेक शर्मा के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। आयुष म्हात्रे और ईशान किशन के नाम इस साल दो-दो शतक हैं। हालांकि वैभव की बेहतरीन पारी भी महाराष्ट्र कप्तान पृथ्वी शॉ की तेज बल्लेबाजी के आगे कम पड़ गई। क्ढछ 2025 में अनसोल्ड रहने के बाद खुद को साबित करने उतरे शॉ ने 30 गेंदों में 66 रन बनाकर चेज को आसान कर दिया। महाराष्ट्र ने मैच 3 विकेट से, 1 ओवर बाकी रहते जीत लिया। बिहार अभी भी जीत के बिना है।

हार्दिक ने शिवालिक के साथ 101 रन जोड़े

लेफ्ट क्वाड्रिसेप्स की चोट के बाद हार्दिक पंड्या ने शानदार वापसी की। पंजाब के खिलाफ 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने 42 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाकर बड़ौदा को जीत दिला दी। उहार्दिक ने शिवालिक शर्मा (47)* के साथ तीसरे विकेट के लिए 101 रन की अहम साझेदारी की। शिवालिक को टैक्टिकली रिटायर आउट किया गया ताकि जितेश शर्मा तेजी से रन बना सकें। बड़ौदा को आखिरी 15 गेंदों में 30 रन चाहिए थे और टीम ने सिर्फ 9 गेंदों में मैच खत्म कर दिया। हालांकि गेंदबाजी में हार्दिक प्रभावी नहीं रहे। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन देकर 1 विकेट लिया। पंजाब की ओर से कप्तान अभिषेक शर्मा ने उन पर आक्रामक बल्लेबाजी की और सिर्फ 18 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए।अनमोलप्रीत सिंह (69) और नमन धीर (39) ने पंजाब के लिए बड़ा स्कोर खड़ा किया, लेकिन अंत में बड़ौदा ने मैच 7 विकेट से जीत लिया। ग्रुप उ में दोनों टीमों की अब दो-दो जीत हैं, जबकि गुजरात चार में से तीन मैच जीतकर शीर्ष पर है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने किया प्लेइंग एलेवन का ऐलान, मार्क वुड बाहर

एजेंसी/नई दिल्ली

इंग्लैंड ने ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए विल जैक्स को टीम में शामिल किया है। इस ऑलराउंडर को इंग्लैंड ने टीम में मार्क वुड की जगह शामिल किया है। मार्क वुड को घुटने में इंजरी है और इसकी वजह से वो दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन विल जैक्स का टीम में चुना जाना थोड़ा हैरान करने वाला है। विल जैक्स ने इंग्लैंड के लिए अब तक दो टेस्ट मैच साल 2022 में पाकिस्तान दौरे पर खेले थे और इसमें उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में 5 विकेट लिए थे। पर्थ में पहले टेस्ट में आठ विकेट से हारने के बाद इंग्लैंड एशेज सीरीज में बराबरी करना चाहेगा। विल की टीम में वापसी तीन साल के लंबे गैप के बाद हुई है। दूसरे टेस्ट मैच में एक बार फिर से इंग्लैंड 4 तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरेगा जिसमें कप्तान बेन स्टोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर शामिल हैं। विल जैक्स और जो रूट स्पिन डिपार्टमेंट संभालेंगे। मार्क वुड की बात करें पहले टेस्ट मैच में वो साधारण रहे थे और पहली पारी में उन्होंने आठ ओवर और दूसरी पारी में तीन ओवर फेंके और मैच में कोई विकेट नहीं लिया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

ओलंपियन सिफत ने जताई उम्मीद, राष्ट्रमंडल खेल 2030 में निशानेबाजी होगा शामिल, भारत में होना है आयोजन

एजेंसी/नई दिल्ली

ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने भरोसा जताया है कि निशानेबाजी को राष्ट्रमंडल खेल 2030 में शामिल किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन अहमदाबाद में होगा और अगर निशानेबाजी को शामिल किया जाता है तो इससे भारत के पदक बढ़ने की संभावना रहेगी। निशानेबाजी को 2022 बर्मिंघम खेलों में शामिल नहीं किया गया था और ये 2026 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भी शामिल नहीं किया गया। सिफत ने कहा, मैं रोमांचित हूं कि भारत राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहा है और मुझे यकीन है कि निशानेबाजी को प्रतियोगिता के रूप में शामिल किया जाएगा। यह हमारे राष्ट्रीय निशानेबाजों के पास चमकने और पदक जीतने का शानदार मौका होगा। मुझे यह भी उम्मीद है कि इस प्रतियोगिात से खेल का बुनियादी ढांचा बेहतर होगा जिससे नए खिलाड़ियों के लिए सीखना और ट्रेनिंग करना आसान हो जाएगा।सिफत ने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों का हमारी खेल संस्कृति पर काफी असर पड़ेगा। जब लोग स्टेडियम में हमारे खिलाड़ियों को मुकाबला करते हुए देखेंगे तो वे खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे और इससे निश्चित रूप से हमारे देश में खेल मानसिकता बनेगी।' मौजूदा सत्र में सिफत ने अगस्त में महाद्वीपीय स्तर पर दबदबा बनाते हुए कजाखस्तान के शिमकेंट में एशियाई चैंपियनशिप की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में लगातार चौथा स्वर्ण पदक जीता। खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में प्रभावी प्रदर्शन के बाद इस राइफल निशानेबाज की नजरें अब कतर के दोहा में चार से नौ दिसंबर तक होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल पर टिकी हैं।

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू! तेलंगाना के मुख्यमंत्री करेंगे फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरूआत

दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरूआत करेंगे। यह मैच 13 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि खेल के मैदान में भी सक्रिय रहे हैं। वह खुद फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं और हाल ही में उन्होंने खिलाड़ियों के साथ अभ्यास भी किया। इससे पहले उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ दोस्ताना मैच भी खेला था। राज्य सरकार 1 से 13 दिसंबर तक दो साल पूरे होने का जश्न मनाने जा रही है। इसी दौरान रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट (8झ9 दिसंबर) के लिए आमंत्रित करेंगे। इस समिट का आयोजन प्रस्तावित भारत फ्यूचर सिटी में होगा। इस दौरान राज्य की विकास योजनाओं पर आधारित तेलंगना राइजिंग विजन डॉक्यूमेंट 2047 भी जारी किया जाएगा। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री ने पुष्टि की थी कि वह भारत में होने वाले GOAT Tour to India 2025 के तहत मेसी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हैदराबाद उनका दूसरा पड़ाव होगा, इससे पहले वह कोलकाता पहुंचेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट से बजरंग और विनेश को लगा झटका डब्ल्यूएफआई चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यवर्त कादियान जैसे शीर्ष पहलवानों को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव को चुनौती देने वाली इन पहलवानों की याचिका को खारिज कर दिया है। ये सभी पहलवान कई बार कोर्ट के समक्ष पेश नहीं हुए जिस कारण हाईकोर्ट ने इनकी याचिका खारिज कर दी। डब्ल्यूएफआई के चुनावों में संजय सिंह ने अनीता श्योराण को हराकर अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था। अनीता को इन शीर्ष पहलवानों का समर्थन हासिल था। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने 27 नवंबर को इस मामले पर सुनवाई की और देखा कि कोई भी याचिकाकर्ता सुनवाई के लिए कोर्ट में मौजूद नहीं है। जब सुनवाई आगे बढ़ी तो पता चला कि ये पहलवान पिछली दो सुनवाई में शामिल नहीं हुए थे। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकताओं की कोई रूचि नहीं है। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे।

संजय सिंह ने जीता था चुनाव

डब्ल्यूएफआई के चुनावों में संजय सिंह ने अनीता श्योराण को हराकर अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था। अनीता को इन शीर्ष पहलवानों का समर्थन हासिल था। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने 27 नवंबर को इस मामले पर सुनवाई की और देखा कि कोई भी याचिकाकर्ता सुनवाई के लिए कोर्ट में मौजूद नहीं है। जब सुनवाई आगे बढ़ी तो पता चला कि ये पहलवान पिछली दो सुनवाई में शामिल नहीं हुए थे। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकताओं की कोई रूचि नहीं है।